पृष्ठ : 04
स्थापित : 2008
संस्थापक: स्व. बी. शंकर
06 जून 2025, शुक्रवार
संपादक: गंगा असनोड़ा: 9412079290

सरोकारों से साक्षात्कार

रीजनल रिपोर्टर

श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखण्ड से प्रकाशित, साप्ताहिक आर.एन.आई.नं: UTTHIN/2008/24749, वर्ष: 16, अंक: 47, मूल्य: 10

अंकिता भण्डारी के तीनों गुनहगारों को उम्रकैद

स्टेट ब्यूरो

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीना नेगी की अदालत ने मुख्य दोषी पुलकित आर्या को आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई। सह-आरोपी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को भी आजीवन कारावास की सजा के साथ जुर्माना लगाया गया। पीड़ित परिवार को चार लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश कोर्ट ने दिया है।

अंकिता भंडारी मर्डर केस में न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोटद्वार रीना नेगी ने अभियुक्त पुलकित आर्य को धारा 302 आईपीसी में कठोर आजीवन कारावास व 50,000 जुर्माना, धारा 201 आईपीसी में 5 वर्ष कठोर कारावास व 10,000 रुपए जुर्माना, धारा 354क आईपीसी में 2 वर्ष का कठोर कारावास व 10,000 जुर्माना

शेष पृष्ठ 03 पर...

फैसले से खुश नहीं माता-पिता

आरोपियों को उम्रकैद की सजा के फैसले से अंकिता भंडारी के पिता विरेन्द्र सिंह भण्डारी व माता सोनी देवी खुश नहीं है। उनका कहना था कि जिन्होंने हमारी बेटी को मौत दी उन्हें भी मौत की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने हमारा घर बरबाद कर दिया। हम चाहते थे कि हमारे जिंदा रहते इन हत्यारों को मौत की सजा

मिले। हम इसके लिए हाईकोर्ट में अपील करेंगे। ■■■

गढ़वाल विवि के हॉस्टल वार्डनो ने दिया सामूहिक इस्तीफा

रीजनल रिपोर्टर ब्यूरो

गढ़वाल केंद्रीय विवि श्रीनगर में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव सामने आया है। विश्वविद्यालय के मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो. योगेश्वर सिंह फर्त्याल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ ही विश्वविद्यालय के अन्य सभी 11 हॉस्टल वार्डनों ने भी पद छोड़ दिए हैं। बताया जा रहा है कि यह सामूहिक इस्तीफा छात्रावासों में छात्रों की अनुशासनहीनता और नियमों के उल्लंघन को लेकर दिया गया है।

कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह रौशन ने 21 फरवरी को प्रो. योगेश्वर सिंह फर्त्याल को छात्रावास अधिक्षक नियुक्त किया था। लेकिन छात्रों द्वारा लगातार नियमों की अनदेखी और विवि प्रशासन द्वारा सख्ती से कार्य न करने की स्थिति में यह कदम उठाया गया।

विवि के परिसर स्थित छात्रावासों में लगातार छात्रों द्वारा अनुशासनहीनता की घटनाएं सामने आ रही थीं। कुछ छात्रों और छात्र संगठनो द्वारा अभद्र व्यवहार , अभद्र भाषाओं का प्रयोग और बार-बार नियम विरुद्ध कार्य करवाने का दबाव त्यागपत्र देने का कारण बताया जा रहा है।

इस्तीफा देने वालों में चीफ हॉस्टल वार्डन डॉ. सुरेंद्र सिंह बिष्ट के साथ ही डॉ. अनुराग गुसाई, डॉ. प्रशांत शाह, डॉ. अनीता राणा, डॉ. रमेश बवाड़ी, डॉ. मिनी ममगाई,

शेष पृष्ठ 03 पर...

मां ने ही बेटी के साथ कराया गैंगरेप: वीभत्स... भयावह....घृणित...अमानवीय

इंद्रेश मैखुरी

एक महिला द्वारा अपनी ही बच्ची के साथ गैंगरेप करवाना, यह अविश्वसनीय है, सोच से भी परे है. लेकिन महिला की बेटी का ही आरोप है कि ऐसा हुआ है और कई कई बार हुआ है. यह सोच कर ही सिहरन होती है कि एक बच्ची के साथ, गैंगरेप हुआ, कई कई बार हुआ और ऐसा करवाने वाली उसकी अपनी मां थी ! सोचिये तो किस कदर घृणा, आपराधिक मानसिकता और विकृति से भरी हुई महिला थी वो. और कैसा वहशी उसका कथित बॉयफ्रेंड व उसका दोस्त था, जो ऐसा करने के लिए राजी हो गए !

इस पर तुर्रा ये कि उक्त महिला सामाजिक- राजनीतिक क्षेत्र से जुड़ी हुई है, पिछले साल तक तो हरिद्वार में वह भाजपा की पधाधिकारी रही है. संस्कारवान पार्टी की संस्कारवान कार्यकर्ता ! जो महिला अपनी बेटी के साथ गैंगरेप करवाने के लिए गिरफ्तार की गयी है, वो छह दिन पहले फेसबुक पर अंकिता भंडारी के मामले में फैसला आने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बयान शेयर कर रही थी ! उसकी फेसबुक प्रोफाइल कृष्ण भक्ति से लेकर तमाम चीजों से भरी पड़ी है। कृष्ण भक्ति के वीडियो पोस्ट करने वाली ने हरिद्वार के अलावा वृंदावन में भी अपनी बच्ची से दुष्कर्म करवाया। बेटी बचाओ नारे वाली पार्टी की पूर्व पदाधिकारी और कार्यकर्ता ने ऐसा जघन्य आपराध किया है तो बेटी किससे बचाएं और कैसे बचाएं? तीन दिन पहले ही उक्त महिला बाकियों के फरिश्ते होने के बीच स्वयं के मनुष्य होने का पोस्टर फेसबुक पर चस्पा कर रही थी ! जिसने मनुष्यता को तार-तार कर दिया, वो पकड़े जाने से पहले तक मनुष्य होने का ऐलान भी खम ठोक कर कर रही थी।

एक तरफ रात दिन धार्मिकता का प्रचार प्रसार है और दूसरी तरफ घरों के भीतर के भीतर ही इस तरफ के दुर्दात अपराध पनप रहे हैं. रात दिन- धर्म खतरे में है- का नारा चहुँ ओर उछाला जा रहे, अरे अहमको, धर्म नहीं मनुष्यता खतरे में है, इंसानी रिश्ते तार- तार हो रहे हैं !

इस दौर में धर्म देख कर अपराध पर खून खौलने का चलन परवान चढ़ा है और उसी पार्टी के राज व संरक्षण में फला - फूला है, जिससे हरिद्वार की आरोपी महिला का संबंध रहा है. इसलिए मुमकिन है कि इस मामले में कसमसाहट तो खूब हो पर खौलता हुआ खून सड़कों पर न दिखाई दे, लेकिन याद रखिये, अपराध के मामले में धर्म देख कर प्रतिक्रिया से अपराध और अपराधी ही पनपते व फलते- फूलते हैं, हरिद्वार उसकी बानगी है ! ■■■

नाम नहीं खुला लेकिन 10 जगह उल्लेख आया है

महिपाल सिंह नेगी

बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्या मामले में कोटद्वार के अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने हत्या का जो हेतुक अर्थात मोटिव स्थापित किया, वह वीआईपी के लिए एक्स्ट्रा सर्विस द्धसैक्सऋ के लिए दबाव बनाना, अंकिता का इन्कार करना और यह बात बाहर न खुल जाए इसलिए उसकी हत्या किया जाना है।

फैसले के पृष्ठ संख्या 153 और 156 में यह बात स्पष्ट रूप से कही गई है। मृतका पर अनैतिक कार्य एक्स्ट्रा सर्विस द्धसैक्सऋ के लिए दबाव बनाया जा रहा था। मृतका इसका विरोध कर रही थी और वह घटना वाले दिन वनंत्र रिसॉल्ट से जाना चाहती थी। यह बात मृतका द्वारा बाहर न बता दी जाए, इसका भय था।

अज्ञात ६अनाम इस वीआईपी के चर्चे फैसले के पृष्ठ संख्या 87 पैरा 77 व पैरा 78 में भी आया है। क्योंकि पुलकित आर्य का फोन गायब हो गया था, इसलिए अगले दिन वहां कौन वीआईपी आने वाला था यह खुलासा नहीं हो पाया। पता नहीं एसआईटी ने उससे यह नाम जानने का प्रयास किया या नहीं। पैरा 76 में भी यह बात आई कि एक्स्ट्रा सर्विस चाहिए और इसके लिए ₹10000 तक दे देंगे। इन बातों की पुष्टि मृतका के दोस्त पुष्पदीप से 17 सितंबर को हुई चौट से भी की गई।

₹10000 में एक्स्ट्रा सर्विस के लिए दबाव या प्रस्ताव की बात दो-तीन स्थानों पर आई है। पृष्ठ 79, 70 और पृष्ठ 78 में भी इस बात को दर्ज किया गया है। चौट में अंकिता ने उस रिसॉल्ट को "रंडीखाना" तक बता दिया था और कहा था कि वे उससे वेश्यावृति कराना चाहते हैं। इस पर पुष्पदीप ने उसे सतर्क रहने व कहीं अकेले न जाने की हिदायत दी थी।

अगले दिन 18 सितंबर 2022 को अंकिता वहां से निकल जाना चाहती थी लेकिन आरोपी उसे घुमाने के बहाने ले गए और फिर नहर में उसकी लाश ही मिली। पृष्ठ 79 के पैरा 69 पर भी एक अन्य गवाह के हवाले से भी चीफ गेस्ट की बात आई है। पृष्ठ 20, पृष्ठ 21 और पृष्ठ 17 पर भी वीआईपी गेस्ट के आने और एक्स्ट्रा सर्विस की मांग दर्ज हुई है।

इस फैसले में न्यायालय द्वारा पहला ही प्रश्न यह जांचा गया कि क्या अंकिता भंडारी पर अनैतिक कार्य एक्स्ट्रा सर्विस के लिए दबाव बनाया जा रहा था। और फिर आखिर में इस सवाल का उत्तर हां में आया और हत्या का भी यही मोटिव स्थापित किया गया।

पूरा फैसला देखने से यह स्पष्ट होता है कि वीआईपी का नाम खोलने के अलावा एसआईटी ने काफी मेहनत की। एम्स की पोस्टमार्टम टीम के चार डश्वक्टर की की राय भी हत्या की ओर ही इशारा कर रही थी और इन सब से भी महत्वपूर्ण यह रहा कि रिसॉल्ट के कर्मचारी और पूर्व कर्मचारियों ने बिना डरे और खतरा उठा कर भी अपने बयानों पर डटे रहने की हिम्मत दिखाई। लगभग सब ने कहा कि उस दिन अंकिता आरोपियों के साथ शाम को बाहर गई तो थी लेकिन साथ लौटी नहीं थी।

रिसॉल्ट में जो कुछ अनैतिक व्यापार संबंधी गतिविधियां चलती थी, उसकी जानकारी अंकिता को हो चुकी थी। आरोपी व उसके साथियों को अंकिता के वहां से चले जाने पर भेद खुलने का भय था और यही हत्या का कारण बना। इस वीआईपी के नाम के खुलासे के लिए ही सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई जांच हेतु रिट की गई थी, जिस पर उत्तराखंड सरकार ने विरोध किया था।

जो लोग वीआईपी को काल्पनिक ठहरा रहे हैं, उन्हें पूरा फैसला पढ़ना चाहिए। उनकी कोई बहन - बेटी भी कल इसी तरह चपेट में आ सकती है। फैसला न्यायालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है। ■■■

SUBSCRIBE

संपादकीय

मानवता के लिए बचाए पर्यावरण

प्रत्येक वर्ष जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस 1972 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा शुरू किया गया था और आज 150 से अधिक देशों में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना दिलाना है। वर्ष 2025 की थीम है 'पृथ्वी के साथ शांति बनाएं' (मेक पीस विद नेचर), जो बताती है कि अब प्रकृति के साथ संतुलन बनाना विकल्प नहीं, बल्कि अस्तित्व की अनिवार्यता है।

आज दुनिया और भारत एक गंभीर पर्यावरणीय संकट का सामना कर रहे हैं। तेजी से होते शहरीकरण, औद्योगीकरण और अत्यधिक उपभोग ने पर्यावरणीय संतुलन को बिगाड़ दिया है। जलवायु परिवर्तन अब केवल भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। वर्ष 2024 में भारत में रिकॉर्ड 294 हीटवेव की घटनाएं दर्ज की गईं। राजस्थान के फालोदी में तापमान 51 डिग्री पहुंच गया जो अब तक का सबसे अधिक है। महाराष्ट्र, बिहार और मध्य भारत के कई हिस्सों में बाढ़ और सूखा एक साथ देखने को मिला। यह जलवायु असंतुलन का स्पष्ट संकेत है। वायु प्रदूषण भी एक विकराल समस्या है। आईक्यू एयर की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 भारत में हैं। दिल्ली, कानपुर और गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर 300 से ऊपर रहता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर साल 12 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो रहे हैं।

जल संकट भी गहराता जा रहा है। नीति आयोग की रिपोर्ट बताती है कि भारत के 21 बड़े शहरों में 2030 तक भूजल समाप्त हो सकता है। चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहरों में गर्मियों के दौरान टैंकरों के भरोसे पानी की आपूर्ति हो रही है। लगभग 60 करोड़ भारतीय मध्यम से गंभीर जल संकट झेल रहे हैं। वनों की कटाई और जैव विविधता की हानि भी चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुकी है। एफएओ के मुताबिक, 2010-2024 के बीच दुनिया भर में औसतन हर साल 1.1 करोड़ हेक्टेयर वन भूमि नष्ट हुई। भारत में विकास परियोजनाओं, खनन और अवैध कटाई के कारण अरावली, झारखंड और पश्चिमी घाट के जंगलों में वृक्षों की संख्या तेजी से घटी है। इससे न केवल कार्बन अवशोषण घटता है, बल्कि वन्य जीवन भी संकट में आ गया है। हालांकि इन समस्याओं के बीच कुछ - प्रेरक प्रयास भी हुए हैं। इंदौर, जिसने लगातार 7वीं बार भारत का सबसे स्वच्छ शहर बनने का गौरव प्राप्त किया है, अब पूरी तरह जीरो वेस्ट सिटी बनने की ओर अग्रसर है। वहां 100 प्रतिशत कचरे का पृथक्करण होता है और वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट से प्रति दिन 20 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इससे 50,000 घरों को बिजली मिल रही है। केरल का कोच्चि शहर, जहां 'हरित कोच्चि' अभियान के अंतर्गत 1.5 लाख पौधे लगाए गए। ■■■

कहानी

रामी बौराणी: प्रेम और बलिदान की लोकगाथा

उमा घिल्डियाल

उत्तराखण्ड के गांव पाली की यह कहानी है। जीवन की आवश्यकताओं को पहाड़ सी कठिनाईयों को यहां के ग्रामीण पार करके जीवन निर्वाह करते हैं। सुंदर और कठोर प्रकृति कठिन श्रम के पश्चात ही पसीजती है तथा अपना औदार्य श्रम पर वारती है। इसी गांव में रहती है इस कथा की नायिका-रामी बौराणी। जेठ का महीना, सूर्य आकाश में निरंतर ऊपर उठता हुआ तथा तपता हुआ। रामी गांव जाने के मार्ग के पीछे स्थित एक बड़े खेत में धान की गुडाई कर रही है। धूप से बचने के लिए एक लाल साफा सिर पर लपेटा हुआ है। सूर्य की ओर पीठ है, हाथ में कुदाल है। धीरे-धीरे गुडाई करते हुए खेत में आगे बढ़ रही है। माथे के पसीने को हाथ से पोंछती हुई आसमान की ओर देखती है और धूप की तीव्रता से घबराकर सिर झुका लेती है। 28 वर्षीय युवती रामी अंत्यत सुंदर है। तीखी नाक, गोरे गाल और बड़ी-बड़ी आंखे उसे अपनी सभी सहेलियों से पृथक करती है। रंग गौर परंतु नेत्रों में एक प्रकार की उदासीनता दिखाई देती; जैसे दूर कई खोई हुई हो। मुख सौंदर्य में चंद्रमा को मात देता था किंतु प्रसन्नता और संतृष्टि का कोई भी भाव उसके मुख पर लक्षित नहीं होता था। उदासी और गंभीरता उसके आनन पर परिलक्षित होती।

रामी खेत में गुडाई कर रही थी अनावश्यक घास-पात को एक चादर में गाय के लिए रख रही थी। कुदाल चलाते-चलाते वह अपने विगत जीवन की गलियों में विचरने लगी। सोलहवें साल में प्रवेश करते हुए उसका विवाह वीरेन्द्र नामक युवक के साथ हुआ जिसे उसके घरवाले प्यार से वीरू कहकर संबोधित करते हैं। कुछ दिनों के बाद वह युद्ध में चला जाता है युद्ध शुरू होता है, तो समाप्त भी होता है। युद्ध समाप्त हुआ, सभी लौटे परंतु वीरू नहीं लौटा। विभाग की ओर से पत्र आया कि वह लापता सैनिकों की सूची में है। घर में हाहाकार मच गया घर में जवान बहू और बेटा लापता। मां के आंसू सूखते ही नहीं थे। रामी ने अपने आप को संभाला और वीरेन्द्र की याद में अपना जीवन बिताने का निश्चय किया। घर में जेठ-जेठानी और सास-ससुर थे। अपनी पीड़ा को छिपाने के लिए रामी ने स्वयं को विभिन्नय कार्यों की भट्टी में झोक दिया। प्रात: चार बजे से रामी के लिए घर के कार्य शुरू हो जाते। सूरज चढ़ते ही खेतों के कार्यों में खुद को भूल जाती। सायंकाल जानवरों का चारा-पानी करती और सभी के भोजन की व्यवस्था में जुट जाती। कब अर्द्धरात्री बीत गई रामी को मालूम ही नहीं होता। इस सब व्यवस्था के बीच पति की याद सांसों की तरह साथ में बनी रहती। ऐसा भी नहीं था कि रामी के मन को विचलित करने का प्रयास न किया गया हो। लेकिन रामी अहर्निश अपने पति की प्रतीक्षा करती रही। उसे विश्वास था कि एक दिन उसका वीरू अवश्य लौट आएगा। प्रतीक्षा चलती रही और समय ने धीरे-धीरे बारह वर्ष की दीर्घ तपस्या का रूप धारण कर लिया।

इधर भटकते-भटकते वीरू उत्तराखण्ड आ पहुंचा उसे रामी की याद आती तो, उसका मन विचलित हो उठता उसे बार-बार लगता कि उसने रामी का जीवन बरबाद कर दिया। कभी सोचता की घर जाऊं तो कभी सोचता वहां जाकर क्या करूंगा अब तो सब उसे भूल चुके होंगे। इसी उहापोह में वह एक दिन घर की ओर चल पड़ा।

क्या रामी अभी तक उसकी प्रतीक्षा कर रही होगी? यह भ्रम फन फैलाए उसके मस्तिष्क को बार-बार घेर रहा था। अपने संदेह के निवारण के लिए वीरेन्द्र ने साधु को वेश धारण कर लिया। मार्ग में रामी गुडाई करते हुए मिली। वीरू रामी को पहचान गया उसने देखा कि रामी के मुख पर उत्फुलता के स्थान पर उदासी थी। साधु ने रामी से उसके घर, परिवार की तमाम जानकारियां ली। अंतत: उसने पूछा कि तुम्हारे पति कहां है? वे तुम्हारी सहायता करने क्यों नहीं आए? प्रश्न सुनते ही रामी का हृदय करूणा से भर आया उसे पति का स्मरण हो आया और यह करूणा नेत्रों से उमड़ने लगी। अपनी व्यथा छुपाने के लिए रामी ने सर झुका दिया और कहा कि- हे साधु तुम मेरे मन को क्यों दुखा रहे हो। मेरे पति बारह वर्ष पूर्व युद्ध के लिए गए और आजतक लौट कर नहीं आए, लेकिन मैं आज भी उनकी प्रतीक्षा कर रही हूँ। ***क्रमश:...*** ■■■

गुणों की खान प्राकृतिक जंगली फल काफल

अभिषेक रावत

हिमालय की गोद में फलते-फूलते प्राकृतिक जंगलों में कई तरह के फल पाए जाते है। ये फल न सिफ बेहद स्वादिष्ट होते हैं बल्कि औषधीय गुणों की खान भी है। इन्हीं फलों में एक फल है-काफल।

मई से जून के महीने में हिमालय के जंगलों में पककर तैयार होने वाला एक लोकप्रिय पहाड़ी फल है 'काफल'।

यह एक सदाबहार वृक्ष है। गर्मी के मौसम में काफल के पेड़ पर काफी स्वादिष्ट फल लगता है गर्मियों में पहाड़ की सैर पर आने वाले सैलानी बहुत सी हसरतें पाले रहते हैं, उनमें से एक होती है काफल खाना। दरअसल मैदानों में रहने वाले लोगों को काफल काफी पसंद है काफल एक ऐसा जंगली फल है जिसका बाहरी रसदार गूदा इसके बीज की तुलना में बहुत ज्यादा मामूली होता है। लाल रसदार गूदा खुद के भीतर ज्यादा जगह घेरे गुठली के बाहर चिपका होता है। इसी बनावट की वजह से इसे बहुत दिनों तक सुरक्षित रखा नहीं जा सकता, लिहाजा ज्यादा दूरी तक भी नहीं ले जाया जा सकता। इसी वजह से इसे खाना हो तो पहाड़ ही आना पड़ता है।

काफल का वैज्ञानिक नाम मिरिका एस्कुलेटा है। यह उत्तरी भारत के पर्वतीय क्षेत्र, मुख्यत हिमालय के तलहटी क्षेत्र में पाया जाने वाला एक वृक्ष है। ग्रीष्मकाल में इस पर लगने वाले फल पहाड़ी इलाकों में विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

इसकी छाल का प्रयोग चर्मशोधन के लिए किया जाता है। काफल का फल गर्मी में शरीर को ठंडक प्रदान करता है। साथ ही इसके फल को खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है एवं हृदय रोग, मधुमेय, उच्च एंव निम्न रक्तचाप का नियंत्रित करता है। इस फल में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होने के कारण काफल अल्सर, दस्त एनीमिया, गले में खराश, बुखार आदि कई बीमारियों के इलाज में का एक तरीका है। ग्रीष्म ऋतु का यह बहुमूल्य फल स्वादिष्ट होने के साथ ही आयुर्वेद में बेहद उपयोगी साबित हुआ है इसीलिए स्थानीय लोग काफल से चटनी भी बनाया करते हैं।

बढ़ते पलायन के चलते प्रदेश के अधिकाधिक लोग गांव छोड़ देहरादून तथा अन्य मैदानी इलाकों में पलायित हो चुके हैं। लेकिन काफल चखने का मोह उन्हें काफल पाने के लिए आर्कषित करता है। यही कारण है कि इस वर्ष पहाड़ के बाजारों में काफल बेचने वाले ग्रामीणों की टोल तो दिखी ही, देहरादून तथा हल्द्वानी बाजारों में भी कुंतलों काफल बिकता दिखाई दिया। ■■■

पर्यावरणविद

प्रभात उप्रेती

कोई मुझे पर्यावरणविद कहता है,
तो मुझे लगता है जैसे वह मुझे गाली दे रहा हो—
(जैसे कोई लुच्चा, लफंगा, गिरहकट कह रहा हो)।
न जाने क्यों!
और पर्यावरण पर बोलना...
उस पर सुनना...
सबसे बोरिंग सजा लगती है।
न जाने मुझे क्या हो गया है!

मेरा सिर फिर गया है कि—
पाँच जून को
एफ.आई.आर. लिखवाने की इच्छा होती है
(सीधे संसद के थाने में)।
और भी बहुत-सी इच्छाएँ
कूड़े की तरह बिखर गई हैं...
चारों ओर प्लास्टिक ही प्लास्टिक है।
जंगल की आग
मुझे मुँह चिढ़ाती है।
ओजोन लेयर
किसी गरीब की टपकती छत जैसी
सामने आ जाती है।

ये सड़कें—
जो अब 'ऑल वेदर रोड' हो गई हैं,
उनका मलबा
किसी नदी का रास्ता रोक कर खड़ा है—
मुझे याद दिलाता है
कई-कई पेड़ों की उम्र,
जो बेरहमी से काट दिए गए,
जैसे किसी बुजुर्ग को
जबरन वृद्धाश्रम में धकेल दिया गया हो।
और जो ग्लेशियर
डर के मारे बहुत पीछे खिसक गया हो,
जिससे नदी सूख गई हो—
वह बहुत याद आता है।

और ये मौसम—
दगाबाज दोस्त की तरह,
मौके पर बदल जाता है।
जब-तब रुला देता है
(डाड़ मारता हूँ कुमाऊँनी में)।

कभी बहुत गरम, कभी बहुत ठंडा—
एकदम बेवफा!
इसलिए, दोस्तों!
मुझसे न कहना पर्यावरणविद।

मैं हरजाई हूँ—
कड़कती ठंड में
उधड़ी हुई रजाई हूँ,
और गर्मी में
झुलसती धरती की लू
और भरी दुपहरी की तन्हाई हूँ।
आने वाली पीढ़ी के लिए
मैं एक रुसवाई हूँ। ■■■

आपकी प्रतिक्रिया का हमें इंतजार है।
अपनी प्रतिक्रिया इस पते पर भेजें।

9412079290, 7037548484

regionalreporter81@gmail.com

श्री कम्यूनिकेशन के लिए गंगा असनोड़ा थपलियाल द्वारा 15 फालतू लाईन, समय साक्ष्य देहरादून से मुद्रित एवं 76, अपर बाजार श्रीनगर से प्रकाशित।
न्यायिक क्षेत्र : श्रीनगर गढ़वाल
संस्थापक संपादक : स्व. बी. शंकर
सलाहकार: वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली
संपादक : गंगा असनोड़ा थपलियाल
विशेष प्रतिनिधि : उमा घिल्डियाल
स्टेट ब्यूरो : भारती जोशी
विशेष प्रतिनिधि (गैरसैण) :
भैरव दत्त असनोड़ा

कार्यालय : श्री कम्यूनिकोशन 76, अपर बाजार, श्रीनगर गढ़वाल-246174
आर.एन.आई.न.-
UPHIN/1999/863

वैभव, इशिका व स्तुति रहे विजेता प्रतिभागी

लक्ष्मण सिंह नेगी

डा.जैक्सवीन नेशनल स्कूल, गुप्तकाशी में सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का सफल समापन हुआ। सात दिनों तक चले इस आयोजन में विद्यार्थियों को स्थानीय पकवानों, सांस्कृतिक धरोहरों और ऐतिहासिक स्थलों के बारे में जानकारी दी गई। राष्ट्रप्रेम के गीतों तथा नारों के साथ विद्यार्थियों ने नगर भ्रमण कर जन संवाद भी किया।

इस मौके पर स्थानीय कलाकारों के साथ नृत्य व वाद्ययंत्रों की मनमोहक प्रस्तुति, परंपरागत कथाओं और वीरता की गाथाओं का वाचन किया गया।

पंजाबी भाषा की लिखित प्रतियोगिता के विजेता वैभव नौटियाल, इशिका राणा व स्तुति रहे। उत्तराखंड के भूगोल एवं इतिहास ज्ञान परीक्षा में अंशुल, सुधांशु, प्रताप सिंह राणा, कुशाग्र दुमागा, पंजाबी गीत जीत गायन प्रतियोगिता के विजेता शिक्षक रामकृष्ण गोस्वामी, जबकि गढ़वाली गीत गायन प्रतियोगिता में अभिभावक बब्बर सिंह चौहान, पूजा बिष्ट व श्लोक गायन प्रतियोगिता में सृष्टि बागवाड़ी विजेता रहे।

इस मौके पर संदर्भदाता कविता दुमोगा ने कहा कि भाषाओं एवं संस्कृति का ज्ञान मनुष्य को श्रेष्ठ बनाता है। ■■■

राबाइंका किलकिलेश्वर के विद्यार्थियों ने सीखी गुजराती

रीजनल रिपोर्टर ब्यूरो

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर में आयोजित भारतीय भाषा समर कैंप का समापन सात दिनों में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए भाषा कैलेंडर, वॉल हैंगिंग की प्रदर्शनी तथा गीत-संगीत व नृत्य कौशल के शानदार प्रदर्शन के साथ हुआ।

इस अवसर पर विशेष संदर्भदाता 'रीजनल रिपोर्टर' की संपादक गंगा असनोड़ा ने कहा कि, बच्चों का ऐसा प्रदर्शन सात दिनों में शिक्षकों की मेहनत तथा विद्यार्थियों की लगन का प्रदर्शन है। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों को गुजराती में गिनती का सस्वर पाठ कराया तथा गुजराती नृत्य गरबा का अभ्यास भी कराया।

समापन अवसर पर विधि विशेषज्ञ के तौर पर विधि छात्रा भारती जोशी ने विद्यार्थियों के समक्ष अनुच्छेद 21 'जीवन के अधिकार' को बेहद सरल शब्दों में व्याख्यायित किया।

प्रभारी प्रधानाचार्य मंजू रावत ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सात दिनी भाषा समर कैंप का आयोजन प्रधानाचार्य डश्व.मीना सेमवाल के निर्देशन में संपन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने कुमाऊंनी, गढ़वाली तथा गुजराती भाषाओं को सीखने में जो रूचि दिखाई उसका परिणाम ही आज का प्रदर्शन है। शिक्षकों द्वारा किए गए प्रदर्शन की भी उन्होंने प्रशंसा की।

इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष रेखा देवी, शिक्षिकाएं आरती पंवार, हंसी पाठक, मीना पोखरियाल मौजूद थी। ■■■

जोशीमठ महाविद्यालय में वृक्षारोपण

रीजनल रिपोर्टर ब्यूरो

विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के अवसर पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जोशीमठ के प्राध्यापक वर्ग, छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया तथा वसुंधरा को बचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कार्यवाहक प्राचार्य डॉ.जी.के. सेमवाल ने कहा कि पूरी दुनिया में मानवजाति के लंबे अस्तित्व के लिए यह आवश्यक है कि प्रकृति और पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने का अभियान युद्धस्तर पर चलाया जाय। अन्यथा मानवजाति गंभीर पर्यावरणीय संकट, क्लाइमेट इमरजेंसी का सामना करेगी। महाविद्यालय परिसर में रेड रिबन क्लब के संयोजक डॉ.नंदन सिंह और एंटी ड्रग्स प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. चरणसिंह केदारखंडी ने विद्यार्थियों को क्रमशः पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति की शपथ दिलाई और युवाओं का आह्वान किया कि वे अपनी समझ और उच्च शिक्षा का प्रयोग एक सांस्कृतिक संदेशवाहक के रूप में घर-गाँव और समाज की बेहतरी के लिए कार्य करें। इस मौके पर नवीन पंत, प्रो.सत्यनारायण राव, डॉ.पवन कुमार, डॉ.रणजीत सिंह आदि उपस्थित थे। ■■■

आदि शक्ति देवराडी देवी गर्भगृह में हुई विराजमान

अरुण मिश्रा

12 साल बाद अपने 6 माह की यात्रा पर निकली रानीगढ पट्टी की देवराडी देवी ने 600 से अधिक गांवों का भ्रमण करते हुए पांच जून को गर्भगृह में विराजमान हो गई है। इससे पहले माता के दरबार में पंडितों द्वारा माता सहित लाटू व सीगलास देवता की नो दिवसीय पूजा पाठ व धार्मिक अनुष्ठान किया।

इस मौके पर भक्तों ने अपने अराध्य देवी का दर्शन कर श्रृंगार सामग्री भेंट कर मनौतियां मांगी। माता के गर्भगृह में जाने का दृश्य बड़ा ही भावुक रहा।

इस मौके पर बन्यथा यात्रा समिति के अध्यक्ष उम्मेदसिंह सिंह चौधरी, राजपाल सिंह बिष्ट, राजेन्द्र सिंह बिष्ट, पंडित प्रकाशदेवली, शक्ति प्रसाद देवली, टीका प्रसाद नौटियाल, कैसी कैडियाल, प्रेम देवली, भोग शास्त्री भगवती प्रसाद खंडूरी भगवती की यात्रा में शामिल रहे। कार्यक्रम के समापन समारोह के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल, नवीन टाकुली, गजेंद्र नयाल, दिनेश बिष्ट, जयपाल सिंह राणा,प्रदीप चौधरी, बीरसिंह चौधरी, जीतपाल सिंह चौधरी, नारायण सिंह, सुखदेव सिंह, कैलाशकैडियाल, जगदीश कैडियाल, राकेश कैडीयाल, यमुना प्रसाद देवली,संजय राणा, दर्शन सिंह, दिग्पाल सिंह, मोहन सिंह, शिशुपालसिंह बिष्ट, प्रकाश बिष्ट समेत कई भक्तगण मौजूद थे। ■■■

एसआई व सिपाहियों के लिए होगी एक भर्ती परीक्षा

स्टेट ब्यूरो

पुलिस, आबकारी, परिवहन और वन आदि विभागों के वर्दीधारी सिपाही व एसआई के लिए अब एक ही भर्ती परीक्षा होगी।

प्रदेश कैबिनेट ने उत्तराखंड वर्दीधारी सिपाही पदों पर सीधी भर्ती की चयन प्रक्रिया नियमावली, 2025 एवं उत्तराखण्ड वर्दीधारी उप निरीक्षक पदों पर सीधी भर्ती की चयन प्रक्रिया नियमावली, 2025 के प्रख्यापन को मंजूरी दे दी है। इसके बाद अब उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को भी अलग-अलग परीक्षाएं नहीं करानी होंगी। भर्ती परीक्षा व शारीरिक परीक्षा के बाद मेरिट व विकल्प के हिसाब से विभाग आवंटित होंगे। बुधवार को सचिवालय में प्रदेश कैबिनेट ने 12 मसलों पर फैसले लिए। कैबिनेट बैठक के बाद सचिव शैलेश बगोली ने बताया कि पिछले दिनों वन टाइम सेटेलमेंट के तहत विनियमित हुए पर्यावरण मित्रों के सेवाकाल के दौरान मृत्यु के उपरान्त उनके आश्रितों को मृतक आश्रित नियमावली, 1974 का लाभ देने का फैसला लिया गया है।

शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत स्थानीय निकायों में इनका विनियमितीकरण किया गया था। तब शासनादेश में कहा गया था कि एक बार के लिए विनियमित किये जाने वाले इन कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति अथवा अन्य किसी दशा में उक्त पद रिक्त होने पर स्वतः आउटसोर्स में परिवर्तित हो जायेंगे। इस कारण सम्बन्धित कार्मिकों के आश्रितों को मृतक आश्रित नियमावली का लाभ नहीं मिल पा रहा था। कैबिनेट ने फैसला लिया है कि नेशनल पेंशन योजना द्धएनपीएसऋ से आच्छादित कार्मियों की पूर्व सेवाओं के समय को ग्रेच्युटी के आकलन में जोड़ा जाएगा। ■■■

विश्व पर्यावरण दिवस पर निकाली गई रैली

जगदीश कलौनी

संत नारायण स्वामी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नारायण नगर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नमामि गंगे, एनएसएस, और रेड क्रॉस के बैनर तले एक विशाल रैली का आयोजन किया गया।

प्राचार्य प्रो.प्रेमलता पंत की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों डॉ. दिनेश कोहली और डॉ.रश्मि टम्टा के निर्देशन में हुई रैली संपन्न हुई। वक्ताओं ने कहा कि यह हमें यह याद दिलाता है कि हमारी पृथ्वी, हमारी माँ है और उसकी रक्षा करना हमारा परम कर्त्तव्य है। बढ़ता प्रदूषण, जंगलों की कटाई और जलवायु परिवर्तन आज हमारे सामने गंभीर चुनौतियाँ हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे। जैसे; प्लास्टिक का उपयोग कम करना, वृक्षारोपण करना और जल संरक्षण को अपनाना। एक पेड़ लगाने का छोटा सा प्रयास भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

मीडिया प्रभारी मनोज कुमार आर्य ने बताया कि डॉ.सुधीर तिवारी, डॉ.शिखर, डॉ.अनु लहुदा, डॉ. सारिका, डॉ.विवेक, डॉ.रविंद्र, डॉ. कुंदन, जमन सिंह, संजय, राजेंद्र कन्याल, नवीन भट्ट, सोनी, सुनीता, रीना सहित सभी कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने वृक्षारोपण, मिट्टी खोदने, पेड़ों की व्यवस्था, और उनकी देखभाल में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और सामूहिक प्रयासों के महत्व को दर्शाने में सफल रहा।

इससे पूर्व राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नारायण नगर द्वारा नशामुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। ■■■

पृष्ठ 01 का शेष

अंकिता भंडारी के...

व धारा 5(1)/आईटीपीए एक्ट में 5 वर्ष का कठोर कारावास व 2,000 जुर्माना की सजा सुनाई गई है। अभियुक्त सौरभ भास्कर व अभियुक्त अंकित गुप्ता को धारा 302 आईपीसी में आजीवन कठोर कारावास व 50,000 रुपए जुर्माना, धारा 201 आईपीसी में 5 वर्ष कठोर कारावास व 10,000 जुर्माना व 5(1)/ आईटीपीए एक्ट में 5 वर्ष का कारावास व 2,000 जुर्माना की सजा सुनाई है।

दोनों को कुल 62 हजार रुपए का भी जुर्माना लगाया। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 357क के तहत चार लाख रुपए प्रतिकर मृतक अंकिता के परिजनों को देना है। गौरतलब है कि मुख्य आरोपी पुलकित आर्या को टिहरी जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच कोटद्वार लाया गया। अंकिता हत्याकांड के फेसले को लेकर कोई अप्रिय घटना न हो, इसलिए स्थानीय प्रशासन द्वारा कोर्ट परिसर को छावनी की तरह तब्दील कर दिया गया था। ■■■

गढ़वाल विवि के ...

डॉ. किसरु कुमार, डॉ. सुषमा देवी, डॉ. सत्रोषा रावत, डॉ. ज्योति, डॉ. रेखा वर्मा एवं डॉ. रवि शाह जैसे शिक्षक शामिल हैं।

अब देखना होगा कि गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रशासन इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए क्या कदम उठाती है। ■■■

छात्र नेताओं ने की निंदा

गढ़वाल विवि में हॉस्टल वार्डनों के सामूहिक इस्तीफे को छात्र नेता गढ़वाल विवि छात्र संघ की पूर्व महासचिव आंचल राणा, पूर्व छात्रा प्रतिनिधि मोनिका चौहान, पूर्व सह सचिव रंजना ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि गढ़वाल विवि में इस तरह आए दिन तथाकथित छात्र नेताओं का मनमानीपूर्ण, गुंडागर्दी तथा नियम विरूद्ध कार्य करवाना व शिक्षकों के साथ बदतमीजी के व्यवहार की घटनाएं आम हो रही हैं। उन्होंने कहा कि विवि प्रशासन द्वारा इस तरह की गतिविधियों तथा गुंडा तत्वों के रवैये को प्रश्रय दिया जाना भी निंदनीय है। क्योंकि शिक्षकों के साथ इस तरह की घटनाओं का आम होना गढ़वाल विवि की परंपरा में शामिल हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम इसका घोर विरोध करते हैं तथा ऐसे गुंडा तत्वों के खिलाफ आवश्यक तथा कड़ी कानूनी कार्रवाही होनी चाहिए।

गढ़वाल विवि में पहली बार इस तरह चीफ वार्डन सहित सभी वार्डन ने इस्तीफे दिए हैं जो विश्वविद्यालय की गरिमा, शैक्षणिक माहौल के लिए ठीक नहीं है। यह सभी शिक्षक बहुत ही सम्मानित एवं नियम कानून का पालन करने वाले शिक्षक हैं। ■■■

Vikas Jain
9997328251

Sidharth Jain
7037833036

JAIN

Hardware and sanitary store

Upper Bazar, Srinagar Garhwal

श्री नारायण महिला पी.जी.

छात्राओं के लिए
सुरक्षित व सुविधानुकूल आवासीय व्यवस्था

आवासीय सुविधाएं:

1. पूरी तरह से सुसज्जित नए कमरे।
2. घर जैसी भोजन व्यवस्था
3. ब्रेकफास्ट, लंच, डिनर व 2 चाय
4. सी.सी.टी.वी. सुरक्षा/ डायनिंग हॉल
5. आर.ओ. का शुद्ध पानी
6. संलग्न बाथरूम
8. 24 घण्टे गर्म पानी
9. व्यक्तिगत आलमारी
10. कक्ष कीपिंग

पता: 76 अपर बाजार, शंकर निवास, श्रीनगर गढ़वाल

Mob: 7455089290, 9412079290

EXIDE

LUMINOUS
Inverter • UPS • Battery

AMAZE
Inverters and Batteries

Inverters & Batteries UPS

G-Tech Power Systems

8126593939, 9412033244

जी.जी.आई.सी. मार्ग श्रीनगर (गढ़वाल)

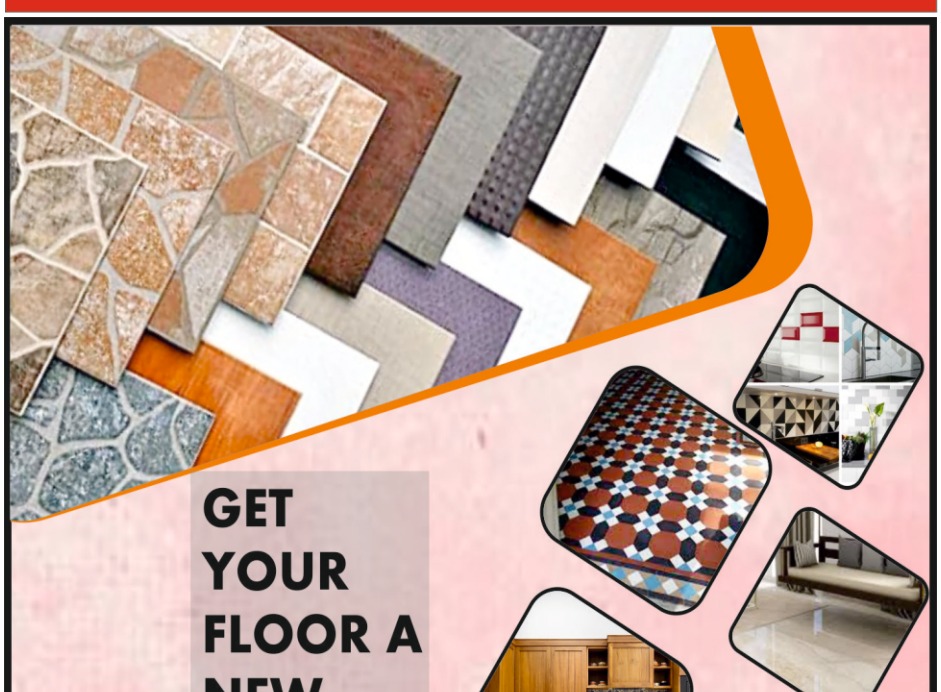

GET YOUR FLOOR A NEW LOOK WITH

Anil Kumar
Ajay Kumar

9411110123
9873802700

Ganesh Bazar Srinagar Garhwal,
Uttrakhand 246174